हरद्विार और उन्नाव के बीच गंगा का जल पीने व स्नान योग्य नहीं

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय हरति अधकिरण (एनजीटी) ने हरद्विार और उत्तर प्रदेश में उन्नाव के बीच गंगा में प्रदूषण के स्तर पर चतिा व्यक्त की और कहा कि गंगा का जल पीने व स्नान करने के योग्य नहीं है।

प्रमुख बदिु

- एनजीटी अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता में एक खंडपीठ ने स्वच्छ गंगा के लयि राष्ट्रीय मशिन (एनएमसीजी) को 100 कलिोमीटर के अंतराल पर डसि्प्ले बोर्ड स्थापति करने का नर्दिेश दयिा, जो कि भक्तों को प्रदूषण स्तर के बारे में जागरूक करने के लयि यह दर्शाता है कि पानी पीने और स्नान करने के लयि उपयुक्त है या नहीं।
- खंडपीठ ने कहा कि भोले-भाले लोग श्रद्धा और सम्मान के कारण गंगा का जल पी रहे हैं और इसमें स्नान कर रहे हैं। वे नहीं जानते हैं कि यह जल उनके स्वास्थ्य के लयि हानकिारक है। यदि सगिरेट के पैकेट पर यह चेतावनी दी जा सकती है कि "यह स्वास्थ्य के लयि हानकिारक है" तो नदी जल के प्रतकिूल प्रभाव के बारे में लोगों को क्यों नहीं बताया जाना चाहयि?

जीवन का अधकिार

- गंगा के जल का उपयोग करने वाले व्यक्तयिों के जीवन के अधकिार के अनुपालन हेतु यह अत्यंत आवश्यक है कि उन्हें पानी की गुणवत्ता के बारे में सूचति कराया जाए।
- इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नयिंत्रण बोर्ड और एनएमसीजी को उनकी वेबसाइटों पर उन क्षेत्रों को इंगति करने के लयि कहा गया है जहाँ पानी स्नान और पीने के लयि उपयुक्त है।

स्वच्छ गंगा के लयि राष्ट्रीय मशिन (National Mission for Clean Ganga)

- यह एक स्वायत्त नकिाय है जो केंद्र में वत्तिीय योजना, नगिरानी और समन्वय संबंधी कार्य करता है।
- इसे राष्ट्रीय गंगा नदी बेसनि प्राधकिरण के दो उद्देश्यों - प्रदूषण के उपशमन और गंगा नदी के संरक्षण के लयि उपयुक्त राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रबंधन समूह द्वारा मदद दी जा रही है।
- एनएमसीजी को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लयि आवश्यक या आकस्मकि प्रकार की सभी कार्रवाइयाँ करने का अधकिार है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ganga-water-between-haridwar-and-unnao-unfit-for-drinking-bathing-ngt